संयुक्त राष्ट्र दिवस

ओलिव राबे

चित्र : अलीकी

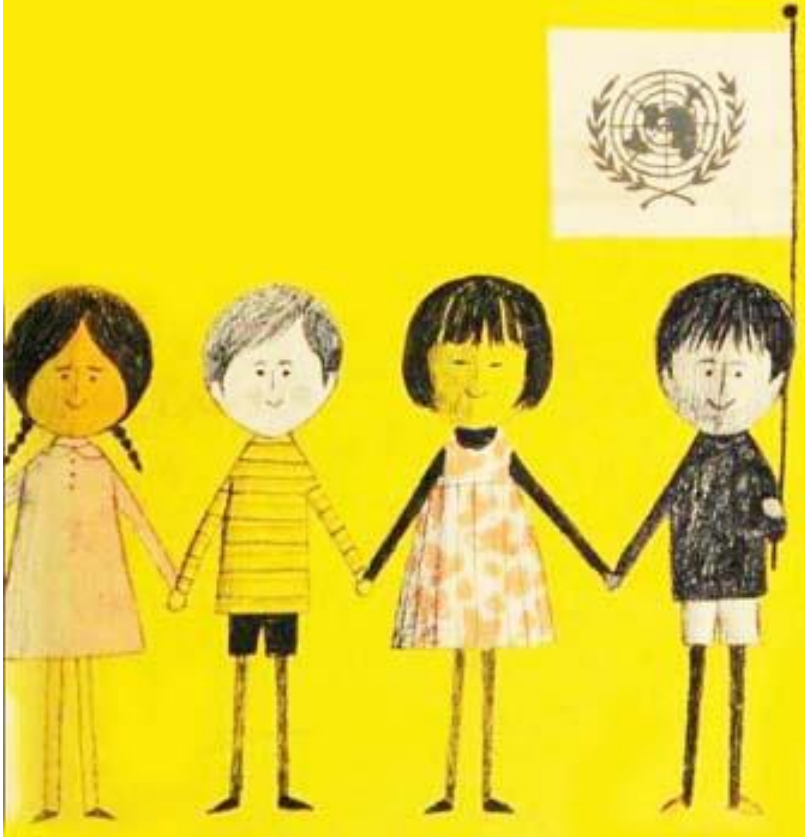

संयुक्त राष्ट्र दिवस

चौबीस अक्टूबर एक नया छुट्टी का दिन है. वो बड़े महत्व का दिन है. वो संयुक्त राष्ट्र (यूनाइटेड नेशंस) का जन्मदिन है. 24 अक्टूबर 1945, को संयुक्त राष्ट्र ने शांति बहाल करने और एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए अपना काम शुरू किया था.

इस पुस्तक में सैन फ्रांसिस्को, अमरीका में स्थित, संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना की कहानी बताई गई है. मानव जाति के लिए आशाएं पैदा करने के लिए ही उसकी स्थापना हुई, और पृथ्वी के सभी कोनों में उसने बेहतरी के लिए काम किया.

भूख, बीमारी और अज्ञानता से लड़ने के लिए, लेकिन सबसे बढ़कर दुनिया भर में शांति के रक्षक के रूप में, संयुक्त राष्ट्र आज, दुनिया के लोगों के जीवन में एक महत्वपूर्ण शक्ति बना है.

ओलिव राबे ने संयुक्त राष्ट्र के जटिल कार्यों का आसान, सुंदर भाषा में वर्णन किया है. वो हमें बताते हैं कि संयुक्त राष्ट्र का जन्मदिन, पूरी दुनिया के लोग इतनी आशा और कृतज्ञता के साथ क्यों मनाते हैं.

संयुक्त राष्ट्र दिवस

ओलिव राबे

चित्र : अलीकी

24 अक्टूबर को एक जन्मदिन है.

वो दुनिया में शांति की सबसे बड़ी उम्मीद का जन्मदिन है.
वो संयुक्त राष्ट्र यानि यूनाइटेड नेशंस (यू. एन.) का जन्मदिन है.

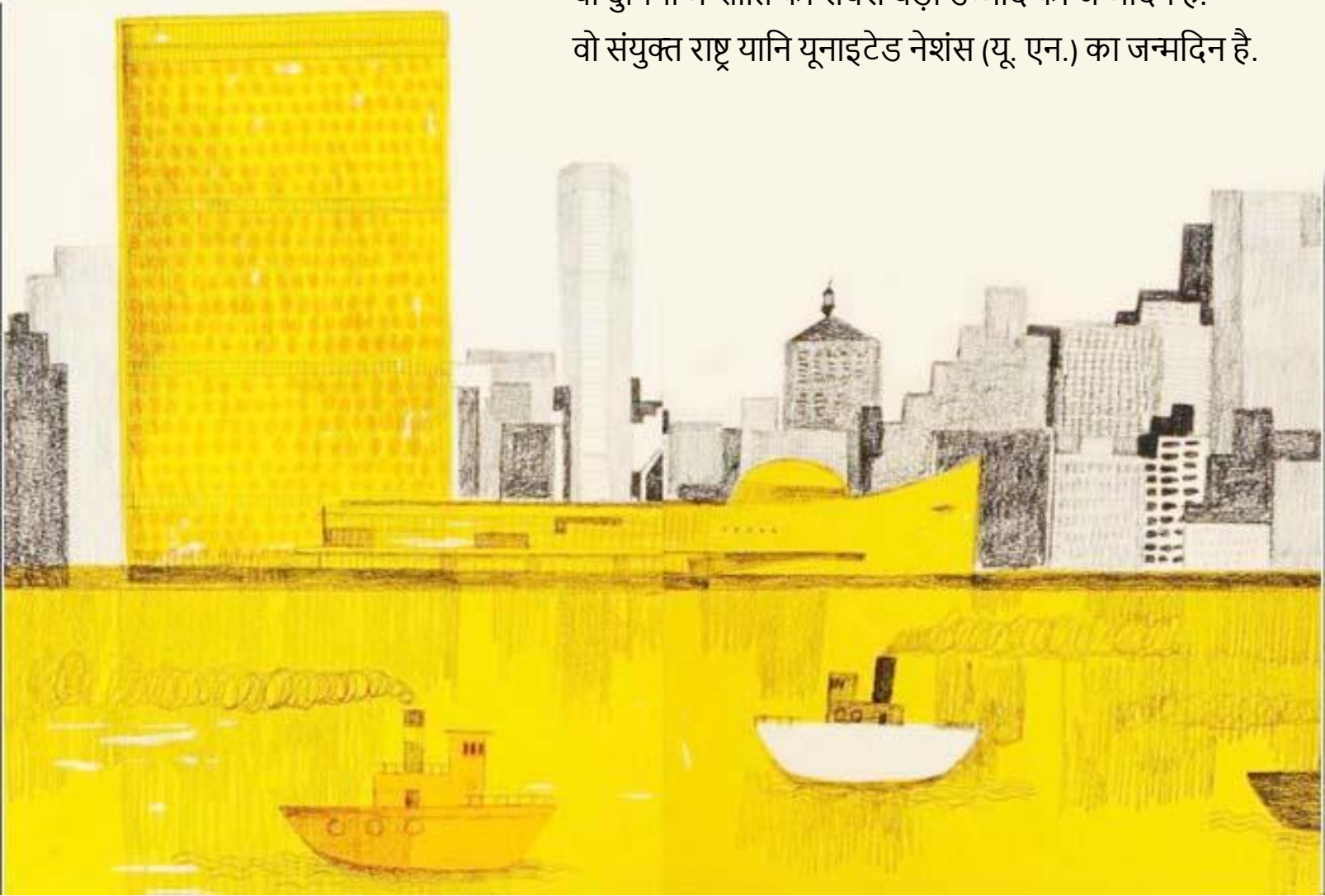

संयुक्त राष्ट्र के जन्मदिन पर हम केक पर लगी मोमबत्तियां नहीं गिनते हैं.

उस दिन हम झंडे गिनते हैं.

हम सौ से अधिक झंडे गिनते हैं.

सौ से अधिक देश अब संयुक्त राष्ट्र के सदस्य हैं.
संक्षेप में उन्हें, संयुक्त राष्ट्र कहा जाता है.

ये देश हर साल, न्यूयॉर्क में, संयुक्त राष्ट्र प्लाजा में मिलते हैं.

वे आपस में शांति के लिए काम करने के लिए मिलते हैं.

वे दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने के लिए मिलते हैं.

प्लाजा की ऊंची कांच की इमारत के सामने उन देशों के
चमकीले झंडे लहराते हैं.

संयुक्त राष्ट्र बहुत पुराना नहीं है.

उसका जन्म 1945 तक नहीं हुआ था.

उसका जन्म इसलिए हुआ क्योंकि पूरी दुनिया में लोग युद्ध से तंग आ चुके थे.

वे सभी एक शांतिपूर्ण दुनिया में रहना चाहते थे.

1945 के वसंत में, विश्व शांति की योजना बनाने के लिए पचास देशों के नेता, सैन फ्रांसिस्को में मिले.

द्वितीय विश्व युद्ध तभी भी, प्रशांत महासागर में चल रहा था.

लड़ाकू विमान तब भी आसमान में चीत्कार कर रहे थे.

बम गिर रहे थे.

शहर उजड़ और जल रहे थे.

सैन फ्रांसिस्को में एकत्रित नेताओं ने कहा:

हर युद्ध, पिछले युद्ध से ज्यादा भयानक होता है. अगर एक और विश्व युद्ध हुआ तो वो उन सभी चीज़ों को समाप्त कर देगा जिनसे हम सब प्यार करते हैं. अगला युद्ध अब कभी नहीं होना चाहिए.

उन्होंने कहा:

दुनिया में कोई भी एक देश, शांति नहीं बना सकता है.

उसके लिए कई देशों को मिलकर काम करना होगा. हमें मिलकर विश्व शांति के लिए एक योजना बनानी चाहिए.

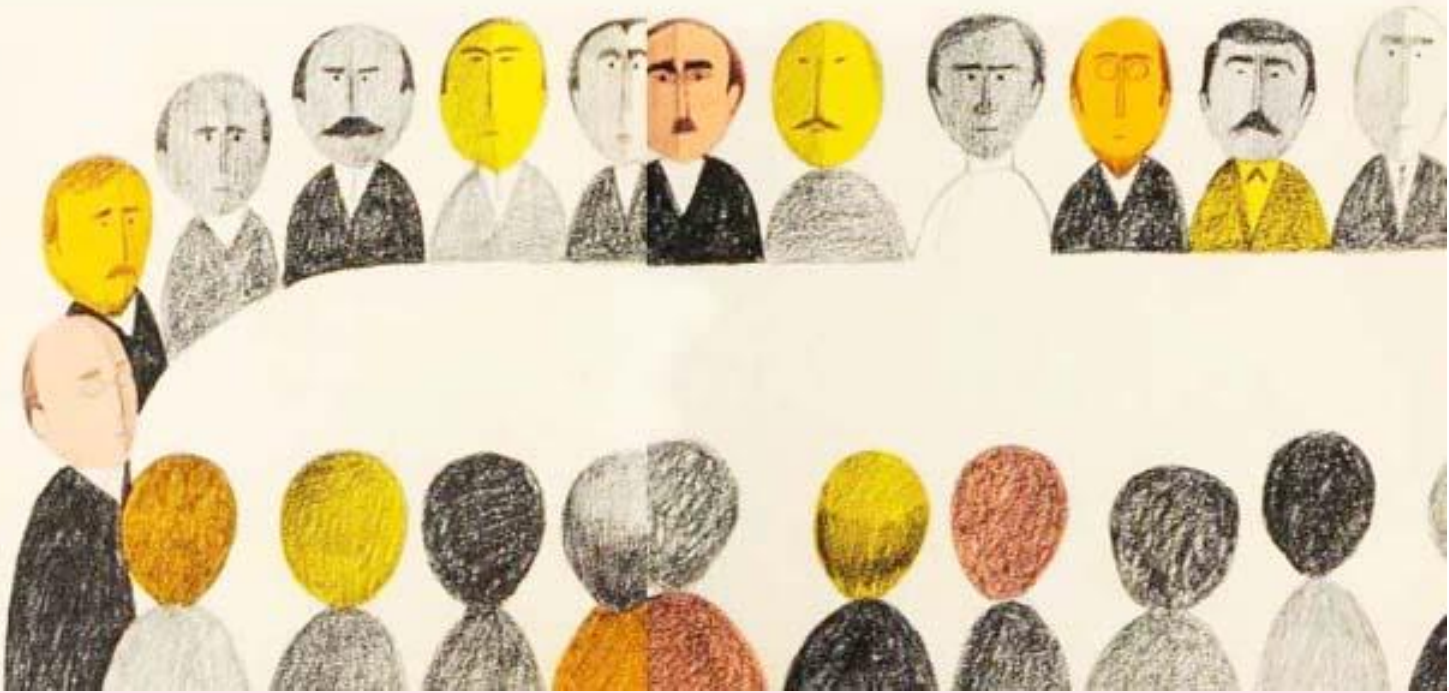

और इसलिए पचास देशों के नेताओं ने मिलकर संयुक्त राष्ट्र के लिए एक योजना तैयार की.

पर्याप्त देशों के "हाँ" कहने से पहले पतझड़ आ गया.

फिर योजना पर काम शुरू हुआ. पेड़ों से पत्ते गिरते रहे, और पक्षी दक्षिण की ओर उड़ते रहे.

24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र संघ ने अपना काम शुरू किया.

दुनिया भर के लोगों ने यू. एन. को धन्यवाद दिया. लोगों ने इसे शांति की सबसे बड़ी उम्मीद बताया. उन्होंने इसे एक नए युग का जन्मदिन कहा.

संयुक्त राष्ट्र, शांति के लिए, देशों के बीच के झगड़ों को सुलझाता है - ऐसे झगड़े जो देशों के बीच युद्ध का कारण बन सकते हैं.

संयुक्त राष्ट्र प्रत्येक पक्ष की दलीलों को सुनता है.

फिर वो तय करता है कि कौन सा पक्ष सही है.

अक्सर इससे झगड़ा खत्म हो जाता है.

संयुक्त राष्ट्र का, शांति के लिए काम करने का एक और तरीका है. यू. एन. देशों से एक-दूसरे की मदद करने के लिए कहता है.

अमीर देश, गरीब देश, बड़े देश, छोटे देश - सभी संयुक्त राष्ट्र में मिलकर काम करते हैं.

संयुक्त राष्ट्र इसके अलावा और बहुत कुछ करता है. वो एक बेहतर दुनिया बनाने का काम करता है जिसमें कोई भूखा न रहे और बीमारी कम हो!

दुनिया में ऐसे लोग न हों, जो पढ़-लिख नहीं पाते हों!

हजारों पुरुष और महिलाएं संयुक्त राष्ट्र के लिए काम करते हैं.

वे कई अलग-अलग भाषाएं बोलते हैं.

वे अलग-अलग कपड़े पहनते हैं.

वे बहुत कुछ करना जानते हैं.

उनमें से कुछ न्यूयॉर्क में कांच की ऊंची इमारत में काम करते हैं.

पर ज्यादातर उन देशों में काम करते हैं जिन्हें मदद की जरूरत होती है.

दुनिया के आधे लोगों को मदद की इसलिए जरूरत होती है,
क्योंकि वे भूखे हैं.

अक्सर बाढ़ उनकी फसल को बहा ले जाती है. या फिर अकाल से
उनके खेत सूख जाते हैं. खराब मिट्टी से फसल की उपज कम होती है.

संयुक्त राष्ट्र, बाढ़ को रोकने के लिए बांध बनाने में मदद करता है.

वो खेतों की प्यास बुझाने के लिए पानी खोजने में मदद करता है.
वो मिट्टी को उपजाऊ बनाने में मदद करता है.

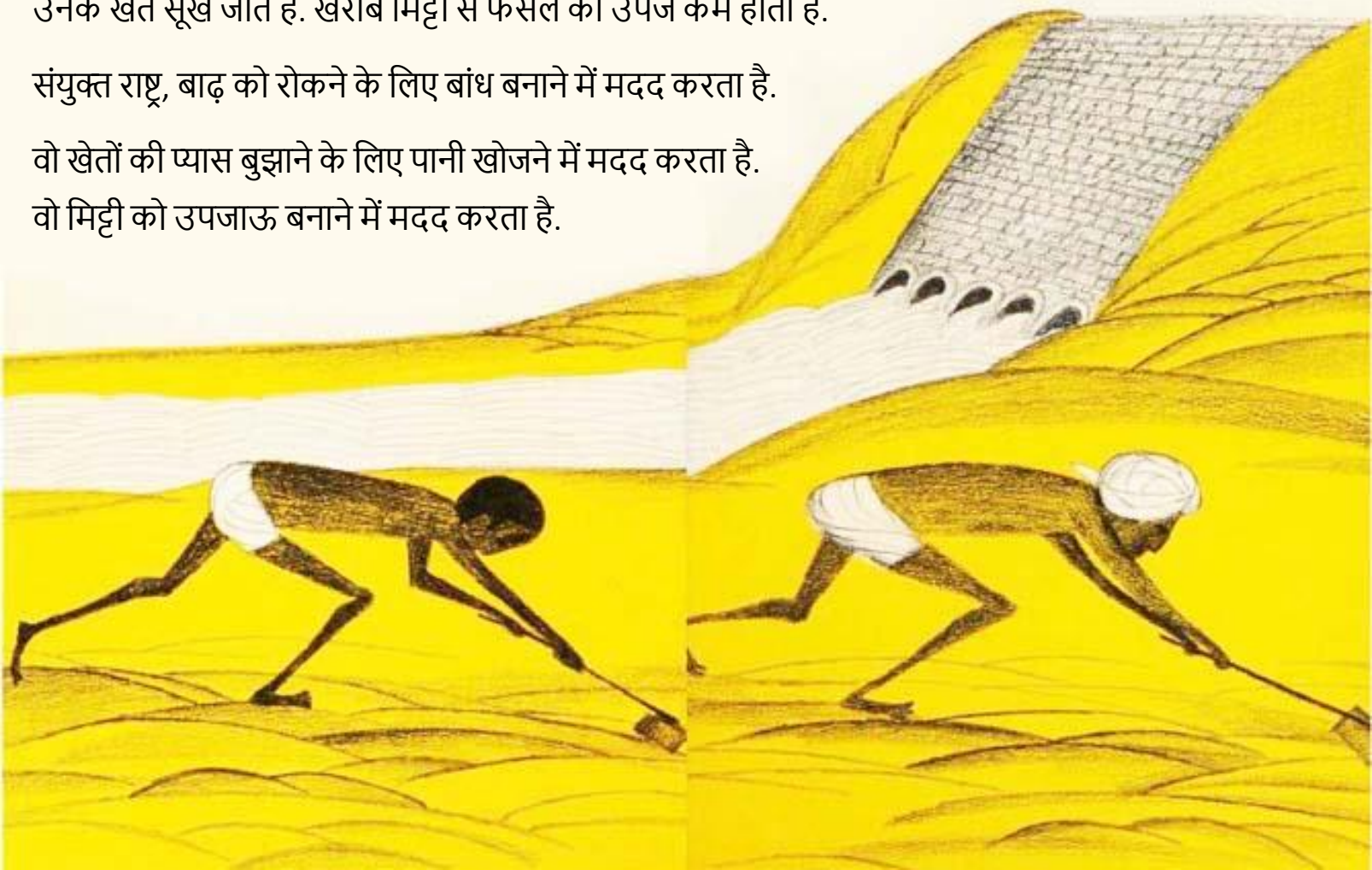

लड़के-लड़कियां अपने-अपने कप पकड़े हुए हैं.
लेकिन उनके कप खाली हैं.

लड़के-लड़कियां अपने-अपने कटोरे पकड़े हुए हैं.
लेकिन उनके कटोरे खाली हैं.

इसलिए संयुक्त राष्ट्र भूखे बच्चों के लिए दूध भेजता है.

वो किसानों को ट्रेनिंग देता है जिससे वे अधिक चावल, मक्का और गेहूं उगा सकें.

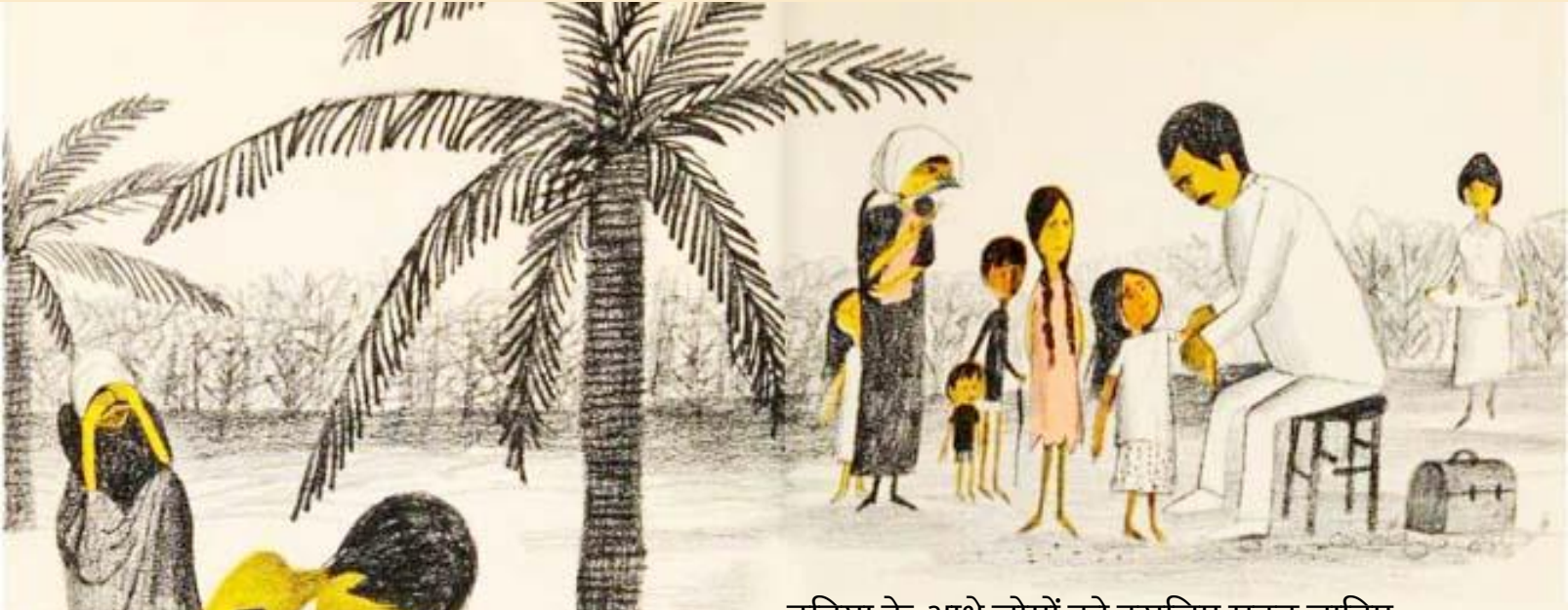

दुनिया के आधे लोगों को इसलिए मदद चाहिए क्योंकि वे बीमार हैं.

वे लड़खड़ाकर चलते हैं. वे काम नहीं पाते हैं. लड़के-लड़कियां दौड़ और खेल नहीं पाते हैं.

और इसलिए संयुक्त राष्ट्र बीमारियों को ख़त्म करने में मदद करता है. वो उन देशों में डॉक्टरों और नर्सों को भेजता है. वो वहां दवाएं भेजता है.

संयुक्त राष्ट्र लोगों को तंदरुस्त और स्वस्थ बनने में मदद करता है.

हमारे देश अमरीका में, लड़के और लड़कियां
भी इस काम में मदद करते हैं.

हैलोवीन के त्यौहार पर वे चुड़ैलों और भूतों की वेशभूषा पहनते हैं.

वे घर-घर जाकर लोगों के दरवाज़ों की घंटी बजाते हैं.

वे अपने लिए, हैलोवीन की भेंट नहीं मांगते हैं.

वे बीमार और भूखे बच्चों की मदद के लिए और
संयुक्त राष्ट्र के बाल-कोष के लिए सिक्के मांगते हैं.

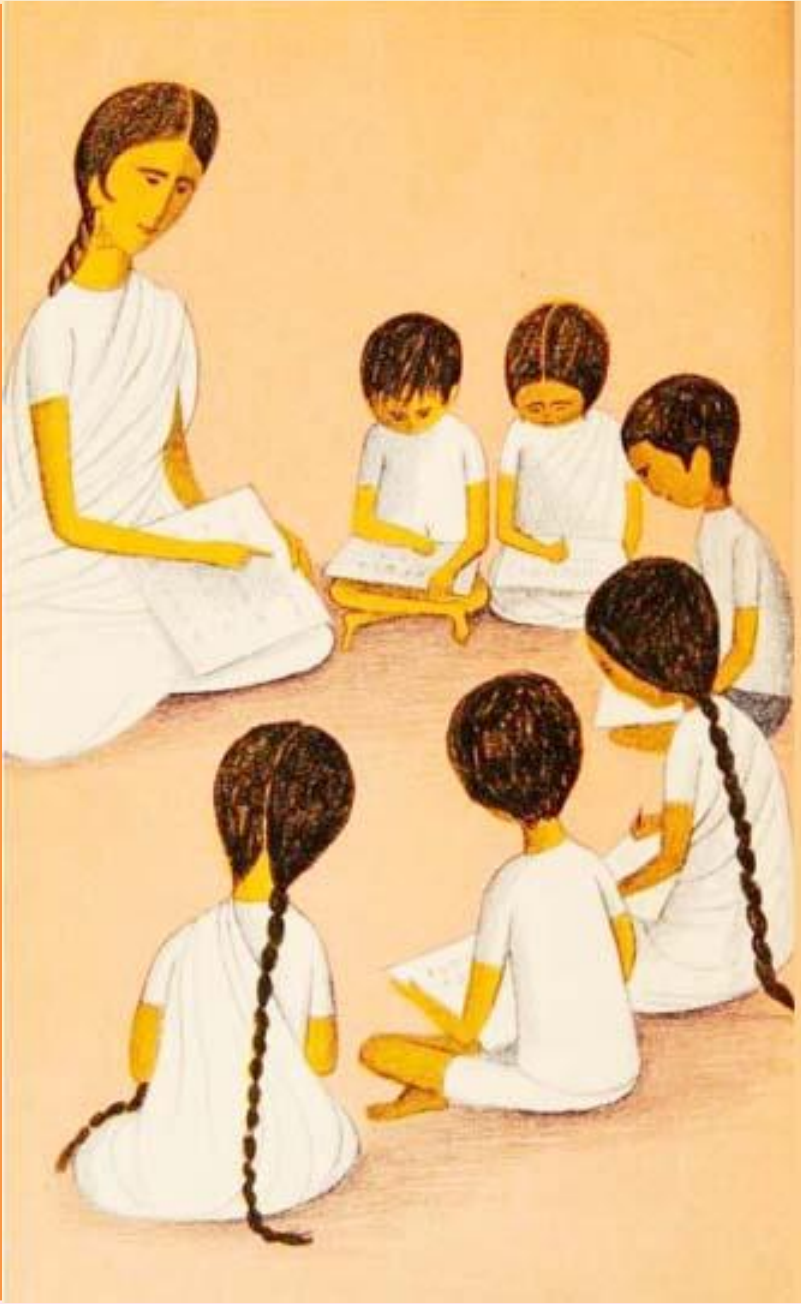

दुनिया में आधे लोगों को मदद की जरूरत होती है क्योंकि वे पढ़-लिख नहीं सकते हैं.

वे सीखने को उत्सुक हैं, लेकिन उन्हें कभी स्कूल जाने का मौका नहीं मिला है.

उन्होंने कभी कोई किताब भी नहीं देखी है.

और इसलिए संयुक्त राष्ट्र स्कूलों के निर्माण में भी मदद करता है.

वो शिक्षकों को भेजता है.

वो किताबें और कागज-पेंसिल भेजता है.

यह चीज़ें लड़कों-लड़कियों की पढ़ना-लिखना सीखने में मदद करती हैं.

फिर वे बच्चे अपने माता-पिता को पढ़ाते हैं.

दुनिया में ज्यादातर लोगों की त्वचा का रंग, भूरा या काला होता है.

संयुक्त राष्ट्र जानता है कि रंग, एक बेहद सतही चीज़ होती है.

संयुक्त राष्ट्र जानता है कि कोई भी जाति या नस्ल, दूसरी की तुलना में बेहतर और होशियार नहीं होती है. सभी लोगों को, चाहें वो किसी नस्ल के हों, एक मौके की ज़रुरत होती है.

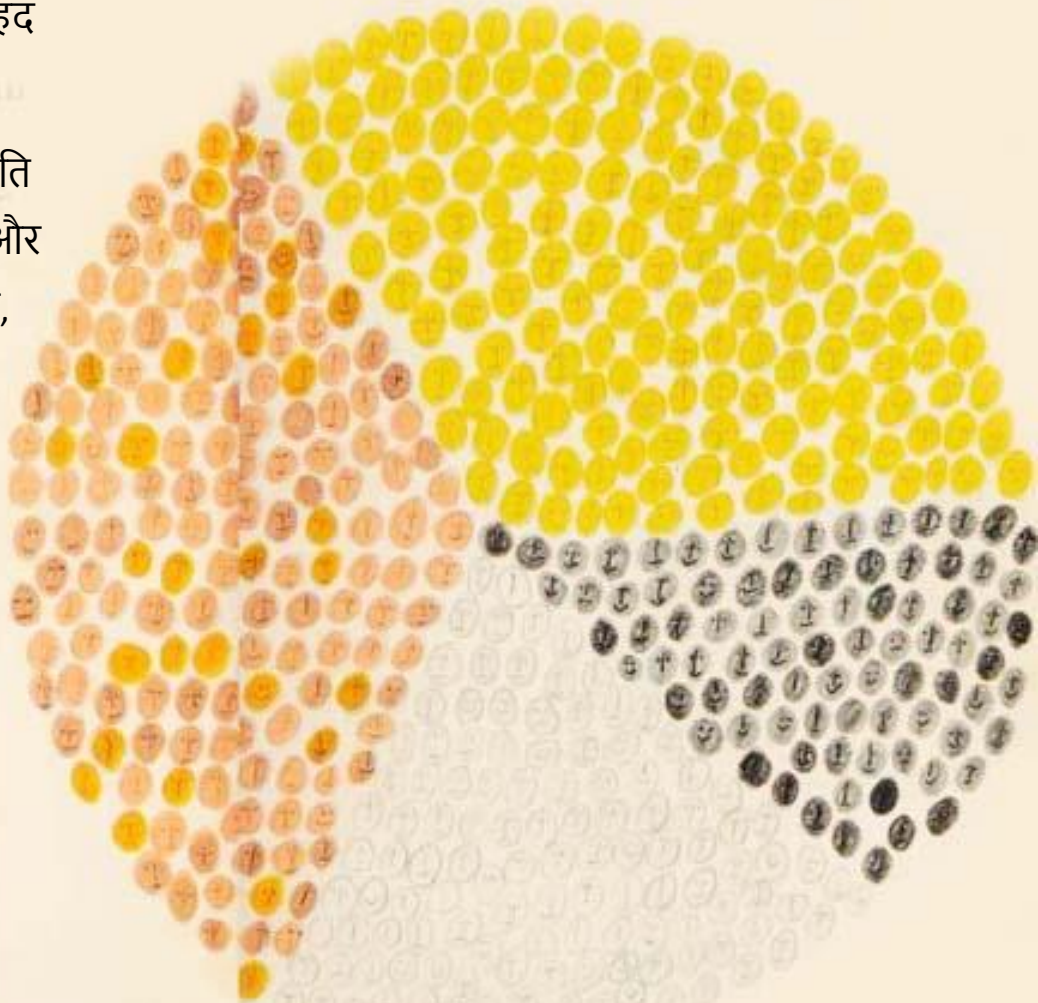

चाहे हमारी त्वचा का रंग कुछ भी हो, हम सभी की भावनाएं एक-जैसी होती हैं.

हम हंसते हैं. हम रोते हैं.

हम नाचते हैं. हम गीत गाते है.

हम अपने दोस्तों के साथ रहना पसंद करते हैं.

हम अकेले बैठकर सपने देखना पसंद करते हैं.

इसलिए चाहें लोगों की त्वचा काली हो या सफेद, भूरी हो या पीली, संयुक्त राष्ट्र सभी को समान अवसर देने के लिए काम करता है,

संयुक्त राष्ट्र ने अपने छोटे से जीवनकाल में बहुत कुछ हासिल किया है.

उसने राष्ट्रों के बीच कई झगड़ों को सुलझाया है.

यू. एन. ने लाखों भूखे लोगों को खाना उपलब्ध कराया है.

यू. एन. ने लाखों बीमार लोगों का इलाज किया है.

यू. एन. ने लाखों लड़के-लड़कियों को,
पढ़ना-लिखना सिखाया है.

संयुक्त राष्ट्र ने शांति के
लिए कड़ी मेहनत की है.

संयुक्त राष्ट्र ने रंगीन त्वचा वाले लोगों
के जीवन में नई उम्मीद पैदा की है.

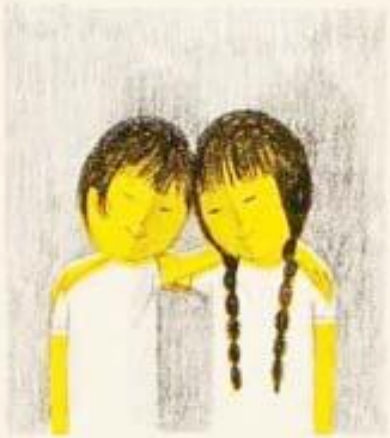

इसलिए कोई आश्चर्य नहीं कि संयुक्त राष्ट्र दिवस पर लड़के-लड़कियां स्कूल में जश्न मनाते हैं

अपने कार्यक्रमों में वे संयुक्त राष्ट्र के जन्मदिन के बारे में बातें करते हैं. वे संयुक्त राष्ट्र की उपलब्धियों के बारे में चर्चा करते हैं. संयुक्त राष्ट्र कैसे इंसानियत के भविष्य की उम्मीद है, वो उसके बारे में बताते हैं:

युद्ध को समाप्त करके शांति बहाल करना.
एक बेहतर दुनिया निर्माण करके शांति स्थापित करना.

समाप्त